ज्ञानविविधा
रचना, आलोचना और शोध की त्रैमासिक पत्रिका

Online ISSN : 3048-4537
April-June, 2024 : 1(3)77
©2024 Gyanvividha
www.gyanvividha.com

सोनल मंजू श्री ओमर
202 बी विंग, श्रीजी अपार्टमेंट,
शांति नगर, रैयाधार के पास,
रामापीर चौकड़ी, राजकोट,
गुजरात-360007

Corresponding Author :
सोनल मंजू श्री ओमर
202 बी विंग, श्रीजी अपार्टमेंट,
शांति नगर, रैयाधार के पास,
रामापीर चौकड़ी, राजकोट,
गुजरात-360007

लघुकथा - फादर्स डे

सामने वाले घर से अचानक ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने की आवाज आने लगी। मैं यूँ ही बिस्तर पर लेटी किताब पढ़ रही थी कि उठ बैठी। सामने खिड़की पर नज़र डाली तो देखा कि सामने वाले घर में रहने वाला आदर्श अपनी पिता पर चिल्ला रहा है। किसी बात को लेकर शायद बहस हो गई थी उनके बीच। पर ये कोई नई बात नहीं थी। वो हमेशा अपनी पिता से ऊँची आवाज़ में बात करता था। मैंने उसे कभी उसकी पिता से अच्छे से बात करते नहीं देखा। हर छोटी बात पर गुस्सा होना उसकी फ़ितरत थी। कभी-कभी शायद उसने हाथ भी उठाया है अपने पिता पर। आदर्श उनकी इकलौती संतान है, इसीलिए उनका आदर्श के पास रहना मजबूरी है। पत्नी के देहांत के बाद वे एकदम अकेले हो गए उन्हें सिर्फ अपने बेटे का सहारा था। लेकिन आदर्श अपने परिवार में ऐसा रम गया कि उसे पिता की कोई परवाह ही नहीं। आदर्श की पत्नी भी उनसे दिनभर के सारे काम करवाती है। और कुछ कहने पर दोनों पति-पत्नी उन्हें जली-कटी बातें सुनते हैं।

आज भी ऐसा ही कुछ हुआ, आदर्श पिता उसे कुछ समझा रहे थे शायद लेकिन वो अपनी ही धुन में था। पिता को धक्का देते हुए वो कमरे से बाहर चला गया, उसके पिता का दुख उनके चेहरे पर साफ दिख रहा था। मेरी आँखों में भी हल्की नमी आ गई। सोचा कितने प्यार से इन्होंने अपने बेटे का नाम आदर्श रखा होगा, लेकिन अब उसमें बिल्कुल आदर्श नहीं है। फिर मैं अपने काम में व्यस्त हो गई। कुछ देर बाद फेसबुक लॉगइन किया तो आदर्श की एक पोस्ट नज़र के सामने आई।

लव वाली इमोजी के साथ लिखा था..."टुडे इस फादर्स डे एंड आई वांट टू टेल दैट आई लव माय फादर सो मच, यु आर अ ग्रेट फादर"

दोस्तों,

ये सिर्फ एक कहानी नहीं है बल्कि आज हमारे समाज की सच्चाई बनती जा रही है। हम हर साल फादर्स डे या मदर्स डे के मौके पर सोशल साइड्स पर अपने माता-पिता से प्यार करने की बात तो कबूल करते है, लेकिन असल जिंदगी में उनकी इज़्ज़त न के बराबर करते है!! रियल लाइफ में भी माता-पिता से मोहब्बत करने वाले बनिये, सोशल साइट्स तो 'धोखा' है।

•••